अनुक्रमणिका

अ.क्र.	नाम	पृष्ठ क्रमांक
	प्रथम अध्याय :'कबीर जीवन पर आधारित नाटकों का सामान्य परिचय'	1-25
1.1	प्रस्तावना	
1.2	मणि मधुकर तथा उनकी रचना 'इकतारे की ऑख'	
1.2.1	मणि मधुकर : परिचय	
1.2.2	इकतारे की आँख	
1.3	भीष्म साहनी और उनकी रचना 'कंबिरा खडा बजार में'	
1.3.1	भीष्म साहनी · परिचय	
1.3.2	कबिरा खड़ा बजार में	
1.4	नरेंद्र मोहन तथा उनकी रचना 'कहै कबीर सुनो भाई साधो'	
1.4.1	नरेंद्र मोहन : परिचय	
1.4.2	कहै कबीर सुनो भाई साधो	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ सूची	
	द्वितीय अध्याय : 'विवेच्य नाटकों में चित्रित कबीर का व्यक्तित्व'	27-53
2.1	प्रस्तावना	
2.2	बेपरवाही	
2.3	दृढ़ता एव उग्रता	
2.4	निर्मम उक्खड़ता	
2.5	नीड़र प्रवृत्ति	
2.6	दया व करूणा	
2.7	क्षमाशीलता	
2.8	समाज सुधारक	

अ.क्र.	नाम	पृष्ठ क्रमांक
2.9	इश्क का मतवाला	
2.10	निरक्षर	
2.11	निर्भय आलोचक	
2.12	साधु संगति प्रिय	
2.13	सरल व्यक्तित्व	
2.14	पथप्रदर्शक	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ सूची	
	तृतीय अध्याय : 'विवेच्य नाटकों में चित्रित सामाजिक संदर्भ'	54-76
3.1	प्रस्तावना	
3.2	जाति–पाति की समस्या	
3.2.1	ऊँची जातिवालों का निम्न जातिवालों से वर्ताव	
3.2.2	शूद्रों की दयनीय अवस्था	
3.3	स्त्री–पुरूष संबंध	
3.3.1	अनैतिक संबंध	
3.3.2	विवशता का लाभ उठाने की मनोवृत्ति	
3.3.3	रखैल प्रथा	
3.4	नारी का सामाजिक स्थान	
3.4.1	बहुविवाह पद्धति	
3.4.2	नारी . सौंदर्य भोग	
3.4.3	नारी . सामतवादी मनोवृत्ति का शिकार	
3.4.4	नारी · यौन शोषण का शिकार	
3.4.5	नारी : कामुक दृष्टि का शिकार	

अं क्र	नाम	पृष्ठ क्रमांक
3.5	अज्ञान, निरक्षरता एवं अंधश्रद्धा	
3.6	शोषण, अन्याय तथा संवेदनशून्यता	
3.6.1	शोषण	
3.6.2	अन्याय	
3.6.3	संवेदनशून्यता	
3.7	सामाजिक कुप्रथा, बाह्याचार एवं भ्रष्टाचार	
3.7.1	सामाजिक कुप्रथा	
3.7.2	बाह्याचार	
3.7 3	भ्रष्टाचार	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ सूची	
	चतुर्थ अध्याय : 'विवेच्य नाटकों में चित्रित धार्मिक संदर्भ'	77-97
4.1	प्रस्तावना	
4.2	ईश्वर संबंधी विचार	
4.2.1	ईश्वर के रूप : सगुण एवं निर्गुण	
4.2.2	ईश्वर को प्राप्त करने के मार्ग	
4.2.3	कबीर के ईश्वर संबंधी विचार	
4.3	धर्म का थोथापन	
4.3.1	महंतो का थोथापन	
4 3.2	कबीर का विरोध	
4.4	धर्म और साधू	
4.4.1	साधुओं का संपत्ति प्रदर्शन	
4.4.2	साधुओं की भ्रष्टता	

अ.क्र.	नाम	पृष्ठ क्रमांक
4.4.3	साधुओं की कपटता	
4.4.4	कबीर का विरोध	
4.5	धार्मिक आडंबरों का बोलबाला	
4.5.1	मालाजाप	
4.5.2	छापातिलक	
4.5.3	अजान देना	
4.5.4	व्रत	
4.6	धर्म के ठेकेदार और कबीर	
4.6.1	पंडित मुलाओं का कबीर के प्रति षडयंत्र	
4.6.2	कबीर के खिलाफ साजीश	
4.6.3	कबीर का संघर्ष	
4.7	धर्म के ठेकेदारों की ज्ञानहीन अंध आस्था	
4.7.1	अंध आस्था	
4.7.2	कबीर का विरोध	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ सूची	
	पंचम अध्याय : 'विवेच्य नाटकों में चित्रित राजनीतिक संदर्भ'	98-126
5.1	प्रस्तावना	
5.2	राजनीति एव राजनेता	
5.3	नेताओं का दोगला रूप	
5.3.1	स्वार्थी नेता	
5.3.2	प्रसिद्धी की चाह	
5.3.3	सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाले नेता	
5.3.4	भ्रष्टाचार का प्रतीक	

अ.क्र.	नाम	पृष्ठ क्रमांक
5.4	राजनीति का सामाजिक अंगोंपर प्रभाव	
5.4.1	युवावर्ग पर असर	
5.4.2	दिशाहीन युवापीढ़ी	
5.4.3	चाटुकारों की पलटन	
5.5	प्रशासक वर्ग	
5.5.1	शासक वर्ग की कपटनीति	
5.6	प्रशासकों का अत्याचार	
5.6.1	धर्म के ठेकेदारों से प्रशासकों की सांठ–गांठ	
5.6.2	सत्ताधारियों की स्वार्थांधता	
5.6.3	दहशतवाद	
5.7	शोषण	
5.7.1	लूटपाट	
5.7.2	वासनालोलूपता	
5.8	शासकीय प्रतिनिधियों की अय्याशी	
5.9	भ्रष्ट न्याय व्यवस्था	
	निष्कर्ष	
	संदर्भ सूची	
	उपसंहार	127-130
	संदर्भ ग्रंथ सूची	131-132